

[This question paper contains 20 printed pages.]

661

Your Roll No.

B.Com. (Hons.) / I

C

Paper II – FINANCIAL ACCOUNTING

(New Course : Admissions of 2004 and onwards)

Time : Section A : 2½ Hours

Maximum Marks : Section A – 55

Time : Section B : 30 Minutes

Maximum Marks : Section B – 20

(Write your Roll No. on the top immediately
on receipt of this question paper.)

Note : Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी : इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

This question paper has 2 parts. Section A is compulsory for all examinees. Section B is meant only for those examinees who have not offered computerised accounts (applicable for students of regular colleges). Students of SOL have to attempt Section A and Section B. Section A and Section B are to be answered on separate Answer-books.

इस प्रश्न-पत्र में दो भाग हैं। भाग 'क' सभी परीक्षार्थियों के लिये अनिवार्य है।

भाग 'ख' केवल उन परीक्षार्थियों के लिए है जिन्होंने कम्प्यूटरकृत लेखा नहीं लिया है (नियमित कॉलेजों के विद्यार्थियों के लिए मान्य है।)

SOL परीक्षार्थियों को भाग 'क' तथा 'ख' दोनों हल करने हैं।

भाग 'क' तथा भाग 'ख' के उत्तर अलग-अलग

उत्तर पुस्तिकाओं में दीजिए।

P.T.O.

SECTION A (भाग 'क')

1. (a) Write a note on significance of accounting standards in the changing global economic and business environment. (6)
- (b) Differentiate between Cash and Accrual basis of accounting. (5)
- (क) बदलते हुए वैश्विक आर्थिक और व्यावसायिक परिवेश में लेखाकरण मानकों के महत्व पर टिप्पणी लिखिए ।
- (ख) लेखाकरण के रेकड़ और प्रोद्भवन आधार के बीच विभेद कीजिए ।
2. From the following balances taken from the ledger of Ms. Jenny on 31st March, 2013, prepare the Trading and Profit and Loss Account for the year ended 31st March 2013 and the balance sheet as on that date :

Particulars	Rs.	Particulars	Rs.
Sundry creditors	19,000	Bad debts	100
Building	15,000	Loan from John	2,500
Income Tax	1,025	Sundry Debtors	9,500
Loose Tools	1,000	Investments	6,500
Cash at Bank	16,200	Bad debts reserve	1,600
Sundry Expenses	1,990	Rent and Rates	850
Bank Interest (credit)	75	Furniture	3,000
Purchases	157,000	Stock (01.04.2012)	27,350
Wages	10,000	Capital	47,390
Carriage Inwards	1,120	Discount allowed	630
Sales	185,000	Dividend Income	535
Motor Van	12,500	Drawings	2,000
Cash in hand	335	Bills payable	10,000

Adjustments :

- (i) Write off further Rs. 300 as bad debts out of Sundry Debtors and create a reserve for bad debts at 20% on debtors.
- (ii) Dividend accrued on investments is Rs. 135. Rates paid in advance Rs. 100 and wages owing Rs. 450.
- (iii) On 31.3.2013, stock was valued at Rs. 15,000 and loose tools were valued at Rs. 800.
- (iv) Write off 5% for depreciation on building and 40% on motor van.
- (v) In case of profits, manager is entitled to a commission of 5% on net profits.
- (vi) Provide for interest at 12% per annum due on loan taken from John on 1-6-2012. (11)

OR

Given below is the Receipts and Payments Account of Resident Welfare Association Sports Club for the year ending 31-12-2012. (11)

Receipts	Rs.	Payments	Rs.
Balance b/d	2,100	Purchase of sports material	7,000
Subscription (including Rs. 1,400 for 2011 and Rs. 1,500 for 2013)	18,000	Stationery	5,700
Life membership fees	9,000	Honorarium	3,000
Legacies	2,000	Upkeep of ground	2,600
Entrance Fees	4,000	Salaries	7,000
Donations for building fund	18,000	Telephone charges	2,000
Hire of club hall	5,000	Refreshments	1,400
Sale of old bats and balls	500	Tournament expenses	6,000
Sale of old furniture	700	Miscellaneous expenses	1,000
		10% Investment (on 1-7-2006)	12,000
		Furniture (part payment)	5,000
		Balance c/d	6,600
Total	59,300	Total	59,300

P.T.O.

Additional Information :

	1.1.2012 Rs.	31.12.2012 Rs.
Subscription due	1,400	2,400
Subscription received in advance	–	1,500
Audit fees outstanding	–	1,000
Creditors for stationery	600	500
Stock of stationery		800
Stock of sports material	1,100	1,500
Building	40,000	40,000

Furniture was sold on 1-1-2012 at its book value. On the same date furniture Rs. 8,000 was purchased. Depreciation is to be charged at 10% p.a. on furniture. Prepare Income and Expenditure Account for the year ended 31-12-2012 and Balance Sheet as on that date.

सुश्री जैनी के 31 मार्च 2013 के खाते से लिए गए निम्नलिखित शेषों के आधार पर 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए व्यापार और लाभ-हानि लेखा तथा उसी तारीख का तुलन पत्र तैयार कीजिए :

ब्योरा	₹	ब्योरा	₹
विविध लेनदार	19,000	अशोध्य ऋण	100
भवन	15,000	जॉन से ऋण	2,500
आयकर	1,025	विविध देनदार	9,500
खुले औजार	1,000	निवेश	6,500
बैंक में रोकड़	16,200	अशोध्य ऋण आरक्षित	1,600
विविध स्वर्चे	1,990	किराया और उपकर	850
बैंक ब्याज (जमा)	75	फर्नीचर	3,000
खरीद	157,000	स्टॉक (01.04.2012)	27,350
मजदूरी	10,000	पूँजी	47,390
आवक वहन व्यय	1,120	दिया गया बट्टा	630
बिक्री	185,000	लाभांश आय	535
मोटर वैन	12,500	आहरण	2,000
हस्तगत नकदी	335	देय बिल	10,000

समायोजन

- (i) विविध देनदारों के अशोध्य ऋणों से और ₹ 300 अपलिखित कीजिए और देनदारों पर 20% अशोध्य ऋणों के लिए आरक्षित निर्मित कीजिए।
- (ii) निवेशों पर प्रोद्भूत लाभांश ₹ 135 है। ₹ 100 का उपकरणों के लिए अग्रिम भुगतान किया गया और ₹ 450 मजदूरी अदत्त है।
- (iii) 31.3.2013 के स्टॉक का मूल्य ₹ 15,000 लगाया गया था और खुले औजारों का मूल्य ₹ 800.
- (iv) भवन पर 5% पर मूल्यहास और मोटर वैन पर 40% मूल्यहास अपलिखित कीजिए।
- (v) लाभों की स्थिति में प्रबंधक शुद्ध लाभों पर 5% कमीशन का हकदार है।
- (vi) जॉन से 1-6-2012 पर लिए गए ऋण पर देय 12% वार्षिक पर ब्याज का प्रावधान रखा।

अथवा

नीचे 31-12-2012 को समाप्त वर्ष के लिए रेजिडेंट वैलफेअर एनोसिएशन स्पोर्ट्स क्लब का प्राप्ति और भुगतान लेखा दिया गया है :

प्राप्ति	₹	भुगतान	₹
अधानीत शेष	2,100	खेल सामान की खरीद	7,000
चंदा (2011 के लिए ₹ 1400 और 2013 के लिए ₹ 1500 सहित)	18,000	स्टेशनरी	5,700
आजीवन सदस्यता शुल्क	9,000	मान देय	3,000
रिक्थ	2,000	मैदान का रखरखाव	2,600
प्रवेश शुल्क	4,000	वेतन	7,000
भवन निधि के लिए दान	18,000	टेलिफोन प्रभार	2,000
क्लब हाल का भाड़ा	5,000	अल्पाहार	1,400
		टूर्नामेन्ट व्यय	6,000
		विविध व्यय	1,000
पुराने बल्लों और गेंदों की बिक्री	500	10% निवेश (1-7-2006 को)	12,000
		फर्नीचर (आंशिक भुगतान)	5,000
पुराने फर्नीचर की बिक्री	700	अधोनीत शेष	6,600
कुल	59,300	कुल	59,300

अतिरिक्त सूचना

	1.1.2012	31.12.2012
	₹	₹
अदत्त चंदा	1,400	2,400
अग्रिम प्राप्त चंदा	—	1,500
अदत्त लेखा परीक्षा शुल्क	—	1,000
क्रेडिटर्स फॉर स्टेशनरी	600	500
स्टेशनरी स्टॉक	—	800
खेल सामान स्टॉक	1,100	1,500
भवन	40,000	40,000

01-01-2012 को फर्नीचर खाता मूल्य पर बेचा गया। उसी तारीख को ₹ 8,000 का फर्नीचर खरीदा गया। फर्नीचर पर 10% वार्षिक पर मूल्यहास लगाया जाएगा। 31-12-2012 को समाप्त वर्ष के लिए आय- व्यय लेखा तथा उसी तारीख का तुलन पत्र तैयार कीजिए।

3. Delhi Head Office supplies goods to its branch at Noida at invoice price which is cost plus 50%. All cash received by the branch is remitted to Delhi and all branch expenses are paid by the Head Office. From the following particulars related to Noida branch for the year 2012 prepare

- Branch Stock A/C
- Branch Debtors A/C
- Branch Expenses A/C and
- Branch Adjustment A/C in the books of head office so as to find out the gross profit and net profit made by the branch :

Stock with Branch on 1-1-2012 (Invoice Price)		Rs. 120,000
Branch Debtors on 1-1-2012		Rs. 24,000
Petty Cash Balance on 1-1-2012		Rs. 200
Goods received from H.O.		Rs. 372,000
Goods returned by debtors direct to H.O.		Rs. 6,000
Allowances to Customers off Selling Price		Rs. 4,000
Cash sales		Rs. 208,000
Credit Sales		Rs. 174,000
Cash received from debtors		Rs. 180,000
Discount Allowed to debtors		Rs. 4,800
Expenses paid by H.O. in Cash		
Rent	Rs. 4,800	
Salaries	Rs. 48,000	
Petty Cash	<u>Rs. 2,000</u>	Rs. 54,800
Stock with Branch on 31-12-2012		Rs. 108,000
Petty Cash Balance on 31-12-2012		Rs. 200

(11)

OR

You are required to prepare :

(a) Trading and Profit and Loss Account of Kolkata Branch of Suparna Limited for the year ending 31st March 2013 (b) Journal Entries in the books of Suparna Limited necessary to incorporate the accounts of Kolkata Branch (c) Kolkata branch account in the books of Suparna Limited. The following is the Trial Balance of Kolkata Branch as on 31-3-2013 :

P.T.O.

Particulars	Debit (Rs)	Particulars	Credit (Rs)
Bombay Head Office	32,400	Sales	380,000
Stock (1.04.2012)	60,000	Goods Supplied to HO	60,000
Purchases	178,000	Creditors	18,500
Goods received from Head Office	90,000		
Salaries	15,000		
Debtors	37,000		
Rent	9,600		
Office Expenses	4,700		
Cash in Hand	17,800		
Furniture	14,000		
Total	458,500	Total	458,500

Closing stock was valued at Rs. 27,000. The Kolkata branch account in the books of head office stood at Rs. 4,600 (Debit balance) on 31st March, 2013. On 28th March, 2013, the head office forwarded goods to the value of Rs. 25,000 to the Kolkata branch where they were received on 3rd April, 2013. (11)

दिल्ली प्रधान कार्यालय नोयडा स्थित अपनी शाखा को बीजक कीमत पर, जो लागत पर 50% अतिरिक्त है, माल भेजता है। शाखा द्वारा प्राप्त सभी नकदी दिल्ली भेजी जाती है और शाखा-व्ययों का प्रधान कार्यालय द्वारा भुगतान किया जाता है। वर्ष 2012 के लिए नोयडा शाखा से संबंधित निम्नलिखित व्ययों से तैयार कीजिए :

(क) शाखा स्टॉक लेखा

(ख) शाखा देनदार लेखा

(ग) शाखा-व्यय लेखा और

(घ) प्रधान कार्यालय की पुस्तकों में शाखा समायोजन लेखा जिससे शाखा द्वारा अर्जित सकल लाभ और शुद्ध

लाभ ज्ञात हो सके :

1-1-2012 को शाखा के पास स्टॉक (बीजक कीमत पर)	Rs. 120,000
1-1-2012 को शाखा के देनदार	Rs. 24,000
खुदरा नकद शेष (1-1-2012 पर)	Rs. 200
प्रधान कार्यालय से प्राप्त माल	Rs. 372,000
प्रधान कार्यालय को देनदार द्वारा सीधा वापस किया गया माल	Rs. 6,000
बिक्री कीमत पर ग्राहकों को छूट	Rs. 4,000
नकद बिक्री	Rs. 208,000
उधार बिक्री	Rs. 174,000
देनदारों से प्राप्त नकदी	Rs. 180,000
देनदारों को दिया गया बट्टा	Rs. 4,800
प्रधान कार्यालय द्वारा व्ययों का नकद भुगतान	
किराया	Rs. 4,800
वेतन	Rs. 48,000
खुदरा रोकड़	<u>Rs. 2,000</u>
शाखा के पास 31-12-2012 को स्टॉक	Rs. 108,000
31-12-2012 को खुदरा रोकड़ शेष	Rs. 200

अथवा

आपको निम्नलिखित तैयार करने हैं :

- (क) 31 मार्च 2013 को समाप्त वर्ष के लिए सुपर्णा लि० की कोलकाता शाखा का व्यापार और लाभ-हानि लेखा
- (ख) कोलकाता शाखा के लेखे को समाविष्ट करने के लिए सुपर्णा लि० की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियाँ
- (ग) सुपर्णा लि० की पुस्तकों में कोलकाता शाखा लेखा 31-3-2013 को कोलकाता शाखा को शेष परीक्षण पत्र इस प्रकार है :

ब्योरा	नामे (₹)	ब्योरा	जमा (₹)
बंबई प्रधान कार्यालय	32,400	बिक्री	380,000
स्टॉक (1.04.2012)	60,000	प्रधान कार्यालय को दिया गया माल	60,000
खरीद	178,000	लेनदार	18,500
प्रधान कार्यालय से प्राप्त माल	90,000		
वेतन	15,000		
देनदार	37,000		
किराया	9,600		
कार्यालय - व्यय	4,700		
हस्तगत रोकड़	17,800		
फर्नीचर	14,000		
कुल	458,500	कुल	458,500

अंतिम स्टॉक का मूल्य ₹ 27,000। 31 मार्च 2013 को प्रधान कार्यालय की पुस्तकों में कोलकाता शाखा का लेखा ₹ 4600 (नामे शेष) था। 28 मार्च 2013 को प्रधान कार्यालय ने कोलकाता शाखा को ₹ 25,000 मूल्य का माल अग्रसरित किया, जो कोलकाता शाखा में 3 अप्रैल 2013 को प्राप्त हुए।

4. X purchased 5 trucks on 1st October, 2011, the cash price of each truck being Rs. 11 lakh. X was to pay 20% of the cash price at the time of delivery and 25% of cash price at the end of each of the subsequent four half yearly periods beginning from 31st March, 2012.

On X's failure to pay the instalment due on 30th September, 2012, it was agreed that X could keep three trucks, on the condition that value of two trucks would be adjusted against the amount due, the trucks being valued at cost less 25% depreciation. Show the necessary ledger accounts in the books of X, assuming that his books are closed on 31st March each year and he charges depreciation @ 15% on original cost of trucks. (11)

OR

- (a) State the differences between Hire Purchase and Instalment System. (3)
- (b) Humpty and Dumpty carrying on business in partnership and sharing profits and losses in the ratio of 2:1 had the following balances to the credit of their accounts in the books of their firm as on 31st December, 2011.

Humpty Rs. 3,45,000

Dumpty Rs. 1,80,000

A statement of affairs prepared on 31st December 2012 disclosed the following position of the business :

Sundry Creditors :		Cash in hand	67,500
For goods	1,95,000	Cash at bank	45,000
For expenses	39,000	Sundry Debtors	2,55,000
		Stock	3,30,000
		Furniture	42,000

During the year, Humpty had drawn Rs. 99,000 from the firm. He had also taken for his personal use, goods worth Rs. 12,000. He had sold some goods of the business for Rs. 27,000 and retained the money himself. He had personally paid to some of the employees of the firm Rs. 49,500 towards their salaries which he was entitled to be reimbursed.

Dumpty had withdrawn Rs. 37,500 in cash, had also taken for his personal use goods worth Rs. 7,500. He had paid towards some expenses of the firm for Rs. 24,000 from his private estate.

Prepare a statement showing profit of the firm for the year ending 31st December, 2012 as well as Balance Sheet of the firm as on that date. (8)

P.T.O.

‘एक्स’ ने 1 अक्टूबर, 2011 को 5 ट्रक खरीदे। प्रत्येक ट्रक की नकद कीमत ₹ 11 लाख थी। ‘एक्स’ ने नकद कीमत का 20% सुपुर्दगी पर देना था और नकद कीमत का 25% 31 मार्च 2012 से शुरू प्रत्येक पश्चात्वर्ती चार अर्धवार्षिक कालावधि के अंत पर।

30 सितंबर 2012 को देय किश्त का एक्स द्वारा भुगतान न कर पाने पर, यह तय हुआ कि ‘एक्स’ तीन ट्रक इस शर्त पर रख सकता है कि दो ट्रकों का मूल्य देय राशि के साथ समायोजित कर लिया जाएगा। ट्रकों का मूल्यन 25% मूल्यहास कम करके लागत पर किया जाएगा। यह मानते हुए कि एक्स अपनी पुस्तकों प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को बंद करता है और ट्रकों की मूल लागत पर 15% की दर पर मूल्यहास लगाता है, उसकी पुस्तकों में आपेक्षित खाता लेखा प्रस्तुत कीजिए।

अथवा

(क) भाड़ा-क्रय और किश्त प्रणाली के बीच विभेद कीजिए।

(ख) साझेदारी में कारबार और 2:1 के अनुपात में लाभ-हानि में सहभाजन करने वाले हम्पटी और डम्पटी की पुस्तकों में 31 दिसंबर, 2011 को उनके लेखे में जमा निम्नलिखित शेष थे :

हम्पटी ₹ 3,45,000

डम्पटी ₹ 1,80,000

31 दिसंबर, 2012 को तैयार किए गए स्थिति-विवरण से कारबार की निम्नलिखित स्थिति ज्ञात हुई :

विविध लेनदार :		हस्तगत रोकड़	67,500
माल के लिए	1,95,000	बैंक में रोकड़	45,000
व्ययों के लिए	39,000	विविध देनदार	2,55,000
		स्टॉक	3,30,000
		फर्नीचर	42,000

वर्ष के दौरान हम्पटी ने फर्म से ₹ 99,000 आहरित किए। उसने अपने निजी उपयोग के लिए ₹ 12,000 मूल्य का माल भी लिया। उसने कारबार का कुछ माल ₹ 27,000 में बेचा और रकम अपने पास ही रखी। उसने फर्म के कुछ कर्मचारियों के वेतन के लिए ₹ 49,500 का अपनी ओर से भुगतान किया, जिसके लिए वह प्रतिपूर्ति का हकदार था।

डम्पटी ने ₹ 37,500 नकद आहरित किए, उसने अपने निजी उपयोग के लिए ₹ 7500 मूल्य का माल भी लिया। उसने अपनी निजी संपदा से ₹ 24,000 के लिए फर्म के कुछ व्ययों के लिए भुगतान किया।

31 दिसंबर, 2012 को समाप्त वर्ष के लिए फर्म का लाभ दिखाने वाला विवरण और उसी तारीख का फर्म का तुलन पत्र तैयार कीजिए।

5. On 1st April, 2008, a new plant was purchased for Rs. 80,000 and a further sum of Rs. 4,000 was spent on its installation. On 1st October, 2010, another plant was acquired for Rs. 50,000. Due to an accident on 3rd January, 2011, the first plant was totally destroyed and was sold for Rs. 2,000 only. On 21st January, 2012, a second hand plant was purchased for Rs. 60,000 and a further sum of Rs. 10,000 was spent for bringing the same to use on and from 15th March 2012. Depreciation has been provided @ 10% on straight line basis. It was a practice to provide depreciation for full year on all acquisitions made at any time during any year and to ignore depreciation on any item sold and disposed off during the year. None of the assets were insured. The accounts are closed annually on 31st March. It is now decided to follow the rate of 20% on diminishing balance method with retrospective effect in respect of the existing items of plant and to make the necessary adjustment entry on 1st April, 2012. You are required to make: (1) Plant Account (2) Provision for Depreciation Account (3) Journal Entries, where necessary. Show all the working notes. (11)

OR

P.T.O.

(a) Write short notes on :

(i) AS-2

(ii) AS-6

(2.5×2)

(b) At the beginning of January, 2013, Amit Limited had in stock 200 units @ Rs. 25 per unit. Further information for the month of January is as follows :

January 2013

2	Purchases : 400 units @ Rs. 30 per unit
5	Sales : 300 units @ Rs. 40 per unit
10	Purchases: 500 units @ Rs. 35 per unit
15	Sales : 200 units @ Rs. 40 per unit
20	Sales : 200 units @ Rs. 42 per unit
25	Purchases : 600 units @ Rs. 36 per unit
28	Sales : 300 units @ Rs. 42 per unit

Calculate the cost of closing inventory and gross profit by FIFO method under :

(a) Perpetual system of inventory

(b) Periodic system of inventory

(6)

1 अप्रैल, 2008 को ₹ 80,000 का एक नया संयंत्र खरीदा गया और उसके लगाने पर ₹ 4,000 और खर्च किए गए। 1 अक्टूबर 2010 को ₹ 50,000 में एक अन्य संयंत्र खरीदा गया। 3 जनवरी, 2011 को एक दुर्घटना के कारण पहला संयंत्र पूर्णतः नष्ट हो गया था और केवल ₹ 2000 में बेचा गया। 21 जनवरी 2012 को ₹ 60,000 में एक पुराना संयंत्र खरीदा गया और उसे 15 मार्च 2012 से उपयोग योग्य बनाने के लिए ₹ 10,000 खर्च किए गए। मूल्यहास ऋजुरेखा आधार पर 10% पर लगाया जाता है। किसी वर्ष के दौरान किसी भी समय में सभी

अभिग्रहणों पर पूरे वर्ष के लिए मूल्यहास लगाने का प्रावधान था और वर्ष के दौरान किसी भी बेची गई या निकाली गई मद पर मूल्यहास की उपेक्षा की जाती थी। किसी भी परिसंपत्ति का बीमा नहीं कराया गया था। खाते 31 मार्च को वार्षिक रूप से बंद कर दिए जाते हैं। अब यह निर्णय लिया गया कि संयंत्र की विद्यमान मदों पर पूर्वापेक्षी प्रभाव से हासमान शेष प्रणाली पर 20% की दर लगाई जाएगी और 1 अप्रैल 2012 को अपेक्षित समायोजन प्रविष्टि की जाएगी। आपको (i) संयंत्र लेखा (ii) मूल्यहास लेखे के लिए प्रावधान (iii) जहाँ आवश्यक को जर्नल प्रविष्टियाँ करनी हैं। क्रिया विधि को स्पष्टतः दिरवाइए।

अथवा

(क) टिप्पणी लिखिए :

(i) AS-2

(ii) AS-6

(ख) जनवरी 2013 के प्रारंभ में अमित लि० के स्टॉक में ₹ 25 प्रति इकाई की दर वाली 200 इकाइयाँ थीं। जनवरी महीने के लिए अतिरिक्त सूचना इस प्रकार है :

जनवरी 2013

2 खरीदी :	400 इकाई	₹ 30 प्रति इकाई
5 बेची :	300 इकाई	₹ 40 प्रति इकाई
10 खरीदी :	500 इकाई	₹ 35 प्रति इकाई
15 बेची :	200 इकाई	₹ 40 प्रति इकाई
20 बेची :	200 इकाई	₹ 42 प्रति इकाई
25 खरीदी :	600 इकाई	₹ 36 प्रति इकाई
28 बेची :	300 इकाई	₹ 42 प्रति इकाई

(क) सतत मालसूची प्रणाली, और (ख) आवधिक मालसूची प्रणाली के अंतर्गत मालसूची बंद करने की लागत और प्रथम आवक-प्रथम जावक मूल्यन विधि द्वारा सकल लाभ परिकलित कीजिए।

SECTION B (भाग 'ख')

1. A, B and C had the following Balance Sheet on 31-03-11 : (20)

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Trade Creditors	40,000	Fixed Assets	40,000
Loan from Mrs. A (with a charge on stock)	15,000	Debtors	25,000
Loan from A	10,000	Stock	20,000
Profit & Loss A/c			30,000
Capital Accounts :			
A	20,000		
B	20,000		
C	10,000		
	115,000		115,000

The firm was dissolved. Stock realised 50% and fixed assets and debtors realised Rs. 30,000 in all. The private position of the partners was as under :

	Private Estate Rs.	Private Liabilities Rs.
A	10,000	15,000
B	8,000	6,000

C was able to pay 50 paise in the rupee of what was payable on his own account to the firm. The partners shared profits and losses in the ratio of 4:3:3 for A, B and C respectively. The loss on realisation is to be determined after

considering the amount finally paid to the creditors. You are required to close the books of the firm by preparing the necessary ledger accounts.

OR

- (a) Ram, Shyam and Mohan are in partnership sharing profits and losses in the ratio of 3:2:1 respectively. They decided to dissolve the business on 31-12-2011 on which date their Balance Sheet was as follows :

Liabilities	Rs.	Assets	Rs.
Capital Accounts :		Land & Building	30,810
Ram	35,700	Motor Car	5,160
Shyam	8,680	Investments	1,080
Mohan	<u>10,100</u>	Stock	19,530
General Reserve	6,000	Debtors	11,280
Mohan's Loan Account	3,000	Cash	5,940
Creditors	10,320		
	73,800		73,800

The assets were realised as follows and it was agreed that cash should be distributed as and when received :

2012	Rs.
15 th January	10,380
20 th February	27,900
23 rd March	3,600
15 th April : Mohan took over Investments at a value of	1,260
27 th April	19,200

P.T.O.

Dissolution expenses originally estimated at Rs. 2,700 but actual spent on 29th March, 2012 was Rs. 1,920. The creditors were settled for Rs. 10,080.

You are required to prepare a statement showing distribution of cash amongst the partners on piece-meal basis using maximum loss method. (15)

(b) Briefly explain the rule laid in Garner vs Murray case. (5)

A, B और C का 31-03-11 को तुलन पत्र इस प्रकार था :

देयताएँ	₹	परिसंपत्तियाँ	₹
व्यापारी लेनदार	40,000	स्थिर परिसंपत्तियाँ	40,000
श्रीमती A से ऋण (स्टॉक पर प्रभार सहित)	15,000	देनदार	25,000
A से ऋण	10,000	स्टॉक	20,000
पूँजी लेखे :		लाभ-हानि लेखे	30,000
A	20,000		
B	20,000		
C	10,000		
	115,000		115,000

फर्म विघटित कर दी गई। स्टॉक से 50% वसूल हुआ और स्थिर परिसंपत्तियों तथा देनदारों से कुल ₹ 30,000 वसूल हुए। साझेदारों की निजी स्थिति इस प्रकार है :

	निजी संपदा ₹	निजी देयताएँ ₹
A	10,000	15,000
B	8,000	6,000

C फर्म में उसके अपने लेखे में जो भी देय था उसके लिए रुपए में 50 पैसे दे सका था। साझेदारों का लाभ और हानि में A, B और C के लिए क्रमशः 4:3:3 के अनुपात में सहभाजन

था। वसूली पर हुई हानि का निर्धारण लेनदारों को अंतिम रूप से चुकाई गई राशि के बाद किया जाएगा।

आपको अपेक्षित खाता लेखे तैयार करके फर्म की पुस्तकें बंद करनी हैं।

अथवा

(क) राम, श्याम और मोहन की क्रमशः 3:2:1 के अनुपात में लाभों और हानियों में सहभाजन करने वाली साझेदारी है। उन्होंने 31-12-2011 को कारबार को समाप्त करने का निर्णय लिया। उस तारीख पर उनका तुलन-पत्र इस प्रकार था :

देयताएँ	₹	परिसंपत्तियाँ	₹
पूँजी लेखे :		भूमि और भवन	30,810
राम	35,700	मोटर कार	5,160
श्याम	8,680	निवेश	1,080
मोहन	<u>10,100</u>	स्टॉक	19,530
सामान्य आरक्षिति		देनदार	11,280
मोहन का ऋण लेखा		नकदी	5,940
लेनदार	10,320		
	73,800		73,800

परिसंपत्तियों से इस प्रकार वसूली हुई और यह तय किया गया कि नकदी जैसे और जब प्राप्त हो वितरित कर दी जाए :

2012	₹
15 जनवरी	10,380
20 फरवरी	27,900
23 मार्च	3,600
15 अप्रैल मोहन ने निवेशों को ग्रहण कर लिया — मूल्य	1,260
27 अप्रैल	19,200

विघटन व्यय को आरंभ में ₹ 2700 आवकित किया गया था, किंतु 29 मार्च 2012 को वास्तविक खर्च ₹ 1920 था। लेनदारों को ₹ 10,080 पर निपटाया गया।

अधिकतम हानि प्रणाली का उपयोग करते हुए खंडशः आधार पर साझेदारों के बीच नकदी-वितरण दिखाते हुए एक विवरण तैयार कीजिए।

(ख) गार्नर बनाम मरे मामले में अधिकथित नियम को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

Qapaper.Com